।। प्रेस विज्ञप्ति ।।

प्रथम शाही स्नान सम्पन्न

22 अप्रैल, उज्जैन । बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन में आज ब्रह्म मुहूर्त में जूना अखाड़ा के लाखों नागा साधु-संतों के शाही स्नान की शुरुआत के साथ ही प्रत्येक बारह वर्षों के अंतराल में आयोजित होने वाला सिंहस्थ कुंभ महापर्व प्रारंभ हो गया।

दत्त अखाड़ा सेक्टर स्थित श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा रमता पञ्च से पवित्र धर्म ध्वजा, हजारो नागा साधुओ, महामण्डलेश्वरो, महंत, श्रीमहंतो एवं अपने अनुयायियों के साथ मयूर रथ पर सवार होकर जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज मोक्षदायिनी क्षिप्रा के तट पर शाही स्नान हेतु निकले।

जहाँ दत्त अखाड़ा घाट पर पूज्य आचार्यश्री ने जूना अखाड़े की परंपरा के अनुरूप मंत्रोच्चारण के साथ अमृतमयी वेला में अमृत्व का स्नान किया । साथ में स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, पद्मविभूषण पंडित जसराज जी, जोधपुर नरेश महाराजा गजसिंह जी, शिविर प्रमुख विनोद अग्रवाल जी भी इस महत्पुण्य के सहभागी बने।

इस अवसर पर सिंहस्थ केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष माखन सिंह जी, प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह जी एवं वरिष्ठ अधिकारी ने पूज्य आचार्यश्री की अगवानी की।

।। प्रेस विज्ञप्ति ।।

अनूठा वेद परायण एवं यज्ञ

जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर उज्जैन में नित्य प्रतिदिन पंचायतन सहित पंचवेद परायण तथा यज्ञ अनुष्ठान कार्यक्रम चल रहा है जिसमें वैदिक ब्राह्मणों द्वारा चारो वेदों का स्स्वर परायण एवं स्वाहाकार यज्ञ वेदमूर्ति सच्चिदानंद गाडगीळ के आचार्यत्व में किया जा रहा है। 20 से 25 अप्रेल तक ऋग्वेद, 26 अप्रेल से 1 मई तक कृष्ण यजुर्वेद, 2 से 7 मई तक शुक्ल यजुर्वेद, 8 से 13 मई तक सामवेद एवं 14 से 19 मई तक अथर्ववेद का परायण होगा।

आज प्रो कप्तान सिंह सोलंकी महामहिम राज्यपाल हरियाणा-पंजाब अपनी धर्मपत्नी के साथ यजमान के रूप में अनुष्ठान में शामिल हुए।

पूज्य स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज के कथन अनुसार यह देश के भाग्य के कपाट खोलने वाला अनुष्ठान है। यह भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में प्रवृत्त करने वाला साबित होगा। वेद हमें सत्य के अनुसंधान और यथार्थ को प्रकाशित करने वाला ज्ञान देने वाले हैं।

गौरतलब हो यह अनुष्ठान अपने आप में अनूठा है पिछले 350 वर्षों में इस प्रकार का आयोजन कही नहीं हुआ है।

।। प्रेस विज्ञप्ति ।।

महाकाल को स्वरांजलि

जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर उज्जैन में दिनांक 22 अप्रेल सायं 08:30 बजे से पद्मभूषण निवृत्तमान शंकराचार्य परमपूज्य स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के पावन तत्वावधान में संगीत मार्तंड पद्मविभूषण पं. जसराज जी द्वारा "महाकाल को स्वरांजलि" आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. कप्तान सिंह जी सोलंकी महामहिम राज्यपाल हरियाणा-पंजाब, जोधपुर नरेश महाराजा गजसिंह जी , गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी, स्वामी चिदानंद मुनि जी , माखन सिंह जी अध्यक्ष सिंहस्थ केन्द्रीय समिति, सुरेन्द्र सिंह जी पुलिस महानिदेशक , भूपेंद्र सिंह जी प्रभारी मंत्री सिंहस्थ , पारस जैन जी काबिना मंत्री , प्रभु प्रेमी संघ शिविर की अधिशासी प्रभारी पूज्या महामंडलेश्वर स्वामी नैसर्गिका गिरि जी ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया तत्पश्चात सभी आगंतुक अतिथियों का सम्मान शिविर प्रमुख विनोद अग्रवाल ने स्मृति चिन्ह देकर किया।

पंडित जसराज जी ने भवानी माता की स्तुति के साथ स्वरांजलि की शुरुवात की फिर ओम नमो भगवते वासुदेवाय, गोपाल गोकुलानान्दम, हनुमान लला मेरी टालो बला जैसे रससिद्ध भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ दीप्ति द्वारा एवं आभार स्वामी चिदानन्द सरस्वती मुनि जी ने किया । इस अवसर पर शिविर संरक्षक पुरुषोत्तम अग्रवाल, शिविर समन्वयक संजय अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यो के साथ सैकड़ो श्रोता उपस्थित थे।

।। प्रेस विज्ञप्ति ।।

कल से बहेगी राम रस की अमृतधारा

जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित प्रभु प्रेमी संघ शिविर उज्जैन में आज दिनांक 23 अप्रेल से 1 मई तक पूज्य संत श्रद्धेय मोरारी बापू जी के श्रीमुख से पावन श्रीराम कथा का आयोजन होगा। रामचरित मानस को सरल, सहज और सरस तरीके से प्रस्तुत करने वाले पूज्य संत मोरारी बापू अपने विशिष्ट अंदाज में रामकथा का रसास्वादन करवा ते है साथ ही कथा के माध्यम से श्रोताओं को जीवनदर्शन का सही मार्ग भी बताते है।

कथा का शुभारंभ अपरान्ह 03 बजे होगा 24 अप्रेल से 1 मई तक कथा का समय प्रातः 09:30 बजे से होगा।

मीडिया सेल

प्रभु प्रेमी संघ शिविर उज्जैन

उजरखेड़ा, भूखीमाता चौराहे के पास, बड़नगर रोड उज्जैन